आकाशवाणी देहरादून (उत्तराखण्ड)

गुरूवार **3.09.2026** समय **18.30**

मुख्य समाचार:-

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में पशुपालन और गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग के 101 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।
- उत्तरकाशी में श्रद्धालुओं की गंगोत्री धाम से 150 किलोमीटर नंगे पांव पदयात्र शुरू। श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर तामेश्वर महादेव का करेंगे जलाभिषेक।
- विश्व प्रसिद्ध 'फूलों की घाटी' में इस साल पर्यटकों की संख्या ने बनाया रिकॉर्ड। तीन महीनों मे पहुंचे 25 हजार से ज्यादा पर्यटक।
- और.. आईआईटी रूड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने देहरादून में आज "आदर्श एवं वहनीय रेशमकीट पालन गृह" का उद्घाटन किया

<u>नियुक्ति पत्र</u>

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में पशुपालन और गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग के 101 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त कार्मिकों से जनसेवा की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। श्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और नकल पर अंकुश लगाने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया है। पशुपालन और गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि सरकार युवाओं और महिलाओं को रोजगार से जोड़ते हुए सरकारी भर्तियों में प्रतिभाग करने का मौका दे रही है। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 88 पशुधन प्रसार अधिकारियों और 13 गन्ना पर्यवेक्षकों को नियुक्ति पत्र दिए है।

<u>जन्माष्टमी</u>

उत्तरकाशी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर मंदिरों में विशेष तैयारियां की जा रही हैं। मंदिरों का फूल-मालाओं से श्रृंगार किया जा रहा है। जिले के गाजणा क्षेत्र में कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर श्रद्धालुओं की अनूठी आस्था देखने को मिल रही है। हर साल श्रद्धालु गंगोत्री धाम से मां गंगा का जल लेकर लगभग 150 किलोमीटर की नंगे पांव पदयात्रा पर निकले हैं। तामेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का पूजन करते हैं। श्रद्धालु अतर सिंह चौहान ने बताया कि वह हर साल गंगोत्री धाम से नंगे पांव जल भरकर लाते हैं और जन्माष्टमी पर सभी गांव के लोग एकत्रित होकर तामेश्वर महादेव में जल अर्पित करते हैं।

'फूलों की घाटी'

चमोली स्थित 'फूलों की घाटी' में देश- विदेश से पहुंचे पर्यटकों की संख्या से नया रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। तीन महीनों में पर्यटकों में उत्साह देखा गया है। एक रिपोर्ट-

उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध 'फूलों की घाटी' में इस साल पर्यटकों की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया है। 1 जून से 31 अगस्त के बीच 25,735 पर्यटक यहाँ पहुंचे हैं। इनमें 196 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान, ज्योर्तिमठ के उप वन संरक्षक यश ढोबले ने कहा कि चमोली जिले में 3,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह घाटी अपने प्राकृतिक नजारों और रंग-बिरंगे दुर्लभ फूलों के लिए दुनियाभर में पहचानी जाती है। फूलों की घाटी में पर्यटकों के पहुंचने से पार्क प्रशासन को प्रवेश शुल्क के रूप में 48 रुपए से अधिक की कमाई हुई है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष घाटी में अच्छी फ्लावरिंग और सुहावने मौसम के साथ पार्क प्रशासन की ओर से पर्यटकों की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की गईं। उप वन संरक्षक ने कहा कि सितंबर और अक्टूबर में यह संख्या और बढ़ेगी। फूलों की घाटी को हर साल की तरह इस बार भी 31 अक्टूबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिया जाएगा इसके बाद यह अगले साल ही पर्यटकों के लिए खुलेगी।

आदर्श एवं वहनीय रेशमकीट पालन गृह

देहरादून में आज केंद्रीय रेशम बोर्ड और केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान के तत्वधान में “आदर्श एवं वहनीय रेशमकीट पालन गृह” का उद्घाटन तथा तकनीकी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आईआईटी रूड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने कहा कि आदर्श- किफायती रेशम कीट पालन गृह का यह मॉडल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन कर किसानों की आय में वृद्धि करेगा। उन्होंने युवाओं को आधुनिक तकनीकों के साथ रेशम कीट पालन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।

कुमाऊं विश्वविद्यालय

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट को कुमाऊं विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट के पास उच्च शिक्षा और विश्वविद्यालय प्रशासन का अनुभव है। उनकी नियुक्ति के बाद कुमाऊं विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

'आधार सेवा केंद्र'

कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने हरिद्वार में अत्याधुनिक 'आधार सेवा केंद्र' का उद्घाटन किया और अपना आधार अपडेट कराकर इस सेवा की शुरुआत की। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी 5 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों का समय पर मेंडेटरी बायोमैट्रिक अपडेट कराएं ताकि विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उन्हें मिल सके।

स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन

देहरादून जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने आज वर्चुअल माध्यम से स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी की जिला स्तरीय बैठक की। जिलाधिकारी इस दौरान जिले के नौले-धारों और नदियों के पुनर्जीवन को लेकर निश्चित समय में कार्ययोजना पर काम करने के निर्देश दिए। डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन एक महत्वपूर्ण योजना है। इसके तहत जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन एवं सौंदर्यीकरण के लिए किए जा रहे कार्य धरातल पर दिखाई देने चाहिए तथा उनका वास्तविक लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने सारा से धनराशि प्राप्त कर चुके विभागों को आवंटित धनराशि का शीघ्र उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण

बागेश्वर जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने कपकोट के आपदा प्रभावित और दुर्गम आंतरिक क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने भराड़ी-मुनार सड़क पर उदियारी गांव के पास हुए भूस्खलन का जायजा लेते हुए सड़क की स्थिति, सुरक्षा और गुणवत्ता का विस्तृत आकलन किया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान यहां पाई गई कमियों पर कड़ी नाराजगी जतीई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलब किया और नकौनाबसौरा क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़क को बहाल करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा के दौरान सिर्फ सड़कों को अस्थायी रूप से यातायात के लिए खोलना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए बल्कि सड़क सुरक्षा तथा पुनर्निर्माण कार्यों में दीर्घकालिक और टिकाऊ समाधान को प्राथमिकता दी जाए।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने आमजन से अपील की है कि सभी लोग जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाएं और भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों तथा शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करें। उन्होंने इस पावन अवसर पर देश और प्रदेश में शांति, सौहार्द एवं समृद्धि की मंगलकामना की।

ईओएस-05

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन कल पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-05 का प्रक्षेपण करेगा। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा कि यह उपग्रह जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट से रात 2 बजकर 55 मिनट पर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा। श्री नारायणन ने कहा कि ईओएस-05 अत्याधुनिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है। यह भू-समकालिक कक्षा में स्थापित किया जाने वाला भारत का पहला इमेजिंग उपग्रह है। उन्होंने कहा कि यह अभियान भारत की पृथ्वी अवलोकन क्षमता को और मजबूत करेगा और इससे पृथ्वी अवलोकन सेवाओं में सुधार होगा।